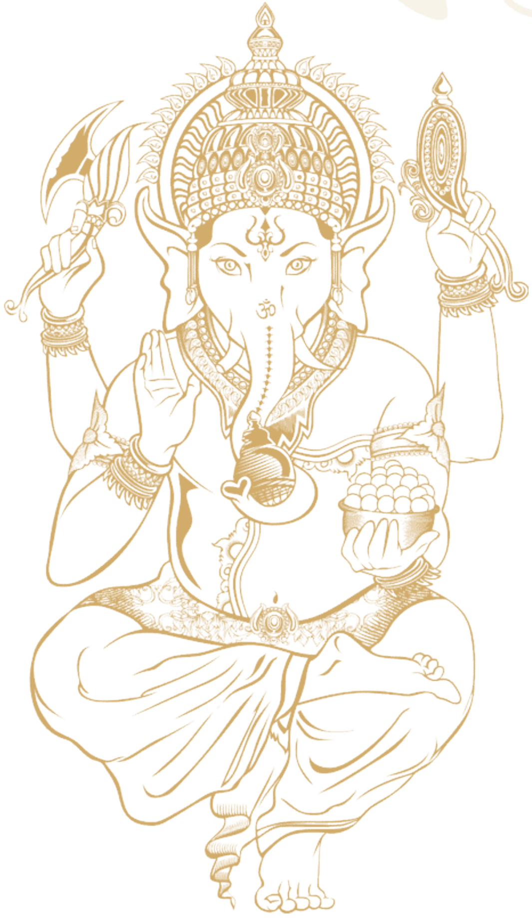

Bhuvanesh Sharma

01 Apr 2023

04:55 PM

Simla

Model: web-freekundliweb

Order No: 121199808

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/04/2023**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**16:55:00 घंटे**
इष्ट	26:49:45 घटी
स्थान	**Simla**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:06:00 उत्तर
रेखांश	77:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:33:40 घंटे
वेलान्तर	-00:03:59 घंटे
साम्पातिक काल	05:11:56 घंटे
सूर्योदय	06:11:06 घंटे
सूर्यास्त	18:40:05 घंटे
दिनमान	12:28:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	17:17:48 मीन
लग्न के अंश	25:26:48 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	धृति
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेविड
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	25:26:48	311:08:16	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
सूर्य			मीन	17:17:48	00:59:13	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	24:05:09	11:55:05	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	स्वराशि
मंगल			मिथु	09:15:34	00:30:01	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	शत्रु राशि
बुध			मेष	01:58:57	01:48:10	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु		अ	मीन	25:03:23	00:14:26	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	स्वराशि
शुक्र			मेष	24:23:35	01:11:02	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि			कुंभ	08:35:45	00:06:12	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
राहु	व		मेष	10:03:52	00:03:20	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	10:03:52	00:03:20	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष			मेष	22:38:32	00:02:58	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
नेप			मीन	01:33:25	00:02:13	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
प्लूटो			मक	05:57:59	00:00:51	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			वृष	24:46:11	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:45

लग्न-चलित

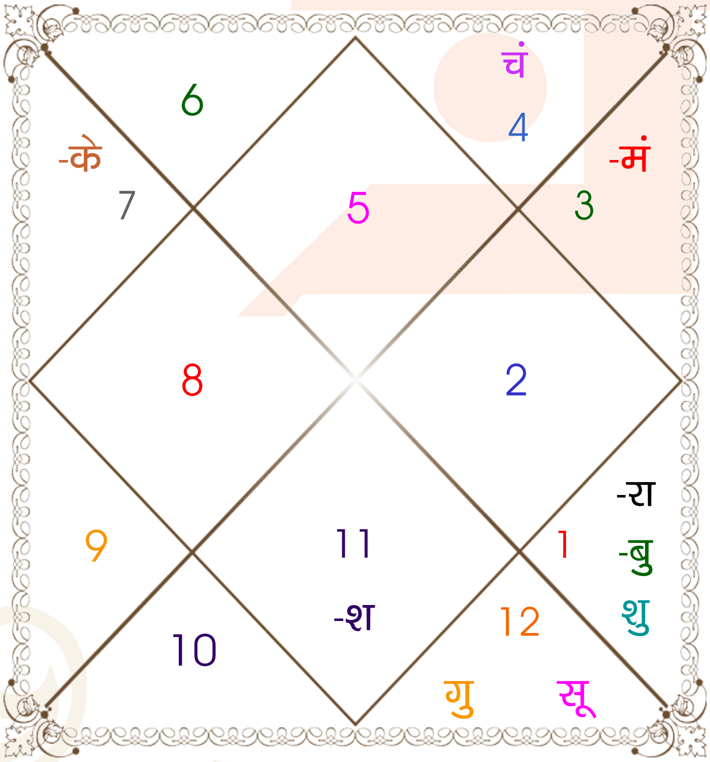

चन्द्र कुंडली

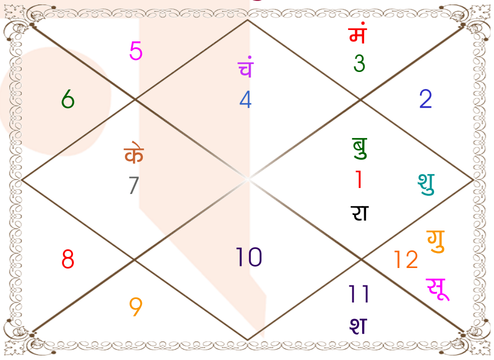

नवमांश कुंडली

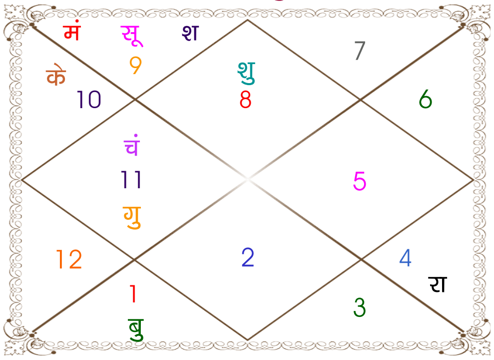

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 7 वर्ष 6 मास 14 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/04/2023		15/10/2030		15/10/2037		15/10/2057		16/10/2063	
15/10/2030		15/10/2037		15/10/2057		16/10/2063		15/10/2073	
	00/00/0000	केतु	14/03/2031	शुक्र	14/02/2041	सूर्य	02/02/2058	चंद्र	15/08/2064
	00/00/0000	शुक्र	13/05/2032	सूर्य	14/02/2042	चंद्र	03/08/2058	मंगल	16/03/2065
	00/00/0000	सूर्य	18/09/2032	चंद्र	16/10/2043	मंगल	09/12/2058	राहु	15/09/2066
	00/00/0000	चंद्र	19/04/2033	मंगल	15/12/2044	राहु	03/11/2059	गुरु	15/01/2068
	01/04/2023	मंगल	15/09/2033	राहु	16/12/2047	गुरु	21/08/2060	शनि	15/08/2069
मंगल	13/04/2023	राहु	03/10/2034	गुरु	16/08/2050	शनि	03/08/2061	बुध	15/01/2071
राहु	30/10/2025	गुरु	09/09/2035	शनि	15/10/2053	बुध	10/06/2062	केतु	16/08/2071
गुरु	05/02/2028	शनि	18/10/2036	बुध	15/08/2056	केतु	15/10/2062	शुक्र	16/04/2073
शनि	15/10/2030	बुध	15/10/2037	केतु	15/10/2057	शुक्र	16/10/2063	सूर्य	15/10/2073

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
15/10/2073		15/10/2080		15/10/2098		16/10/2114		16/10/2133	
15/10/2080		15/10/2098		16/10/2114		16/10/2133		00/00/0000	
मंगल	13/03/2074	राहु	28/06/2083	गुरु	04/12/2100	शनि	19/10/2117	बुध	14/03/2136
राहु	01/04/2075	गुरु	21/11/2085	शनि	17/06/2103	बुध	28/06/2120	केतु	11/03/2137
गुरु	07/03/2076	शनि	27/09/2088	बुध	22/09/2105	केतु	07/08/2121	शुक्र	10/01/2140
शनि	16/04/2077	बुध	16/04/2091	केतु	29/08/2106	शुक्र	07/10/2124	सूर्य	15/11/2140
बुध	13/04/2078	केतु	04/05/2092	शुक्र	29/04/2109	सूर्य	19/09/2125	चंद्र	17/04/2142
केतु	09/09/2078	शुक्र	04/05/2095	सूर्य	15/02/2110	चंद्र	20/04/2127	मंगल	02/04/2143
शुक्र	09/11/2079	सूर्य	28/03/2096	चंद्र	17/06/2111	मंगल	29/05/2128		00/00/0000
सूर्य	16/03/2080	चंद्र	27/09/2097	मंगल	23/05/2112	राहु	05/04/2131		00/00/0000
चंद्र	15/10/2080	मंगल	15/10/2098	राहु	16/10/2114	गुरु	16/10/2133		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 7 वर्ष 6 मा 9 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, ंमंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।